Class XII Session 2025-26
Subject - Hindi Core
Sample Question Paper - 9

निर्धारित समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

- निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए :-
- यह प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभाजित है।
- खंड - क में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- खंड - ख में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- खंड - ग में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड क (अपठित बोध)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-(10)** **[10]**

प्रसिद्ध दार्शनिक नीत्शे एक ऐसा देवता तलाश रहे थे, जो मनुष्य की पहुँच में हो। उसी की तरह नाच-गा सके। जीवन से भरपूर हो। हँसे-रोए, काम करे-कराए बिल्कुल आदमी की तरह। नीत्शे को ऐसा देवता नहीं मिला तो उसने कह दिया, "ईश्वर मर गया है।"
लगता है कि नीत्शे को कृष्ण की जानकारी नहीं थी। वे नाचते, गाते हैं, काम करते हैं और योगी भी है-कर्मयोगी भी। काम करो, बाकी सब भूल जाओ-यह है उनका अनासक्त कर्म। यहाँ तक कि काम के फल की भी इच्छा मत करो-कर्मण्येवाधिकारस्ते।
अजीब विरोधाभास है। काम करने का निराला ढंग है कि काम तो पूरे मन से करो, ईश्वर का आदेश समझकर करो पर उससे परे भी रहो। काम पूरा होते अनासक्त हो जाओ। यों कृष्ण जो भी करते हैं उसमें गजब की आसक्ति दिखाई देती। है- चाहे ग्वाले का काम हो, रसिक बिहारी का हो, सारथि का हो, उपदेष्टा या मार्गदर्शक का, वे मनोयोग से अपनी भूमिका निभाते दिखाई पड़ते हैं और अगले ही क्षण उससे अलग, जैसे कमल के पत्ते पर पड़ा पानी। जीवन का प्रत्येक पल पूरेपन से जीना और चिपकना नहीं, यही अनासक्ति है। उनमें कहीं अधूरापन दिखाई ही नहीं देता। पीछे मुड़ने का उन्हें अवकाश ही नहीं है। यह कृष्ण जैसा कर्मयोगी ही कर सकता है। वे विश्वरूप हैं, परंतु अहंकार का कहीं नाम तक नहीं। गाय चराने या रथ हाँकने का काम करने में भी उन्हें कोई हिचक नहीं।

(i) नीत्शे किस प्रकार का देवता तलाश रहे थे? (1)

क) जो केवल हँसे-रोए

ख) जो मनुष्य की पहुँच में हो

ग) जो केवल योगी हो

घ) जो केवल नाच-गा सके

(ii) कृष्ण किस प्रकार का योगी हैं? (1)

क) ज्ञानयोगी

ख) भक्तियोगी

ग) कर्मयोगी

घ) हठयोगी

(iii) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए - (1)

कथन (I) : नीत्शे ऐसे देवता की खोज में थे जो जीवन से भरपूर हो और मनुष्य की तरह आचरण करे।

कथन (II) : कृष्ण अपने कार्य में पूरी तरह जुड़ते हैं, लेकिन उससे आसक्त नहीं होते।

कथन (III) : कृष्ण के अनुसार कार्य करते समय उसके फल की इच्छा करनी चाहिए।

कथन (IV) : कृष्ण जीवन के हर पल को पूर्णता से जीते हैं।

गद्यांश के अनुसार कौन-सा/से कथन सही हैं?

क) केवल कथन (I), (II) और (IV) सही हैं।

ख) केवल कथन (I) और (III) सही हैं।

ग) केवल कथन (II) और (III) सही हैं।

घ) केवल कथन (I), (III) और (IV) सही हैं।

(iv) नीत्शे ने "ईश्वर मर गया है" क्यों कहा? (1)

(v) कृष्ण किस प्रकार का कर्म करने की सलाह देते हैं? (2)

(vi) कृष्ण के जीवन में अनासक्ति का क्या महत्व है? (2)

(vii) कृष्ण के कर्मयोगी होने का क्या उदाहरण दिया गया है? (2)

2. **निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (8)** **[8]**

उस खेतिहर से पूछो अपने खेतों में जो अन्न उगाता
गेहूँ, चाउर और चने के कुनबे पर जो बलि-बलि जाता
हल की मुठिया जिसका बल है, हँसिया पर जो है इतराता
बढ़िया पैदा हुई फ़सल के हर दाने पर झूमा जाता
क्या वह चाहेगा दुनिया में फिर से कोई आग लगाए?
उसके ऊपर या खेतों पर कोई हिंसक बम गिराए?
क्या वह देखेगा आँखों से फिर से कोई रक्त बहाए?
उर्वर मिट्टी के नव जन्मे अंकुर असमय भस्म बनाए?
मैं कहता हूँ; वह खेतिहर तो पूरी तरह विरोध करेगा
युद्ध-समर्थक हत्यारों की करनी का विरोध करेगा
सबसे पहले शांति-समर्थक उसका ऊँचा हाथ उठेगा
निश्चय साहस से सम्मानित उसका ऊँचा माथ उठेगा।
वह अपनी जनता से अपने खेतों का संदेश कहेगा
युद्ध विरोधी तैयारी में रण के दारुण क्लेश कहेगा
वह घहरेगा जैसे कोई मेघ घहर कर ललकारेगा
मैं कहता हूँ उसके बल से हत्यारों का दल हारेगा।

1. **(i)काव्यांश के आधार पर उचित विकल्प का चयन कीजिए: (1)**

   कविता में 'खेतिहर' युद्ध के विरोध में क्यों है?

   I. वह अन्न उगाने के लिए मिट्टी को उर्वर बनाता है।

   II. वह शांति का समर्थक है।

   III. वह हिंसा और रक्तपात का समर्थन करता है।

   IV. वह युद्ध को लाभदायक मानता है।

   विकल्प:

   क) कथन I और II सही हैं।

   ख) कथन II और III सही हैं।

   ग) कथन I, II और IV सही हैं।

   घ) केवल कथन III और IV सही हैं।

2. **'क्या वह देखेगा आँखों से फिर से कोई रक्त बहाए?' का क्या संदर्भ है? (1)**

क) युद्ध के दौरान रक्तपात

ख) खेतों में फसल की हानि

ग) प्राकृतिक आपदाएँ

घ) व्यक्तिगत संघर्ष

3. **नीचे दिए गए कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित कर सही विकल्प का चयन कीजिए: (1)**

कॉलम 1	कॉलम 2
I. खेतिहर का मुख्य उद्देश्य	1. शांति का समर्थन करना
II. युद्ध का परिणाम	2. खेतों औरअन्न का नष्ट होना
III. खेतिहर की प्रेरणा	3. बेहतर फसल उगाना

विकल्प:

क) I - (1), II - (3), III - (2)

ख) I - (3), II - (2), III - (1)

ग) I - (2), II - (1), III - (3)

घ) I - (1), II - (2), III - (3)

4. **कविता में 'उर्वर मिट्टी के नव जन्मे अंकुर' से क्या संकेत मिलता है? (1)**
5. **कविता के अनुसार, खेतिहर अपने खेतों का संदेश किस प्रकार साझा करेगा? (2)**
6. **कविता में 'हत्यारों का दल हारेगा' का क्या तात्पर्य है? (2)**

खंड- ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर)

3. **दिए गए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर आधारित लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेखन लिखिए।** **[6]**

   i. **मेरे बगीचे में सब्जी की फसल** विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए। **[6]**

   ii. **भारतीय खेल** विषय पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

   iii. **हमारी सीमाओं के प्रहरी** विषय पर निबंध लिखिए। **[6]**

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (2 X 4 = 8)** **[8]**

   i. परिपत्र या सर्कुलर किसे कहते हैं? **[2]**

   ii. फीचर किसे कहते हैं? **[2]**

   iii. साहित्य की अन्य विधाओं की तुलना में नाटक में **शब्द** का विशेष महत्त्व क्यों होता है? समझाइए। **[2]**

   iv. कविता के किन उपमानों को देखकर यह कहा जा सकता है कि उषा कविता गाँव की सुबह का गतिशील शब्दचित्र है? **[2]**

   v. लोगों से बाजार क्या कहता है? **[2]**

5. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (4 X 2 = 8)** **[8]**

   i. पत्रकारीय विशेषज्ञता से क्या तात्पर्य है ? **[4]**

   ii. स्तंभ लेखन किसे कहते हैं? समाचार-पत्र में इन्हें कहाँ प्रकाशित किया जाता है? **[4]**

   iii. आशय स्पष्ट कीजिए- फूल हो या पेड़, वह अपने-आप में समाप्त नहीं है। वह किसी अन्य वस्तु को दिखाने के लिए उठी हुई अँगुली है। वह इशारा है। **[4]**

खंड- ग (आरोह भाग - 2 एवं वितान भाग-2 पाठ्यपुस्तकों के आधार पर)

6. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

सबसे तेज बौछारें गई भादो गया

सवेरा हुआ

खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा

शरद आया पुलों को पार करते हुए

अपनी नई चमकीली साइकिल तेज चलाते हुए
घंटी बजाते हुए जोर-जोर से
चमकीले इशारों से बुलाते हुए
पतंग उड़ाने वाले बच्चों के झुण्ड को
चमकीले इशारों से बुलाते हुए और
आकाश को इतना मुलायम बनाते हुए
कि पतंग ऊपर उठ सके-
दुनिया की सबसे हल्की और रंगीन चीज उड़ सके
दुनिया का सबसे पतला कागज उड़ सके-
बाँस की सबसे पतली कमानी उड़ सके-
कि शुरू हो सके सीटियों, किलकारियों और
तितलियों की इतनी नाजुक दुनिया

i. कवि के अनुसार तेज बौछारों के साथ ही कौन-सा महीना चला गया है?

क) सावन का महीना
ख) अश्विन का महीना
ग) आषाढ़ का महीना
घ) भादों का महीना

ii. पतंग कविता में चमकीले विशेषण किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

क) दिशाओं के लिए
ख) खरगोश के लिए
ग) इशारों के लिए
घ) बच्चों के लिए

iii. काव्यांश में खरगोश की आँखों जैसा लाल किसे कहा गया है?

क) सवेरे को
ख) पतंग को
ग) शरद को
घ) बचपन को

iv. कौन-सी ऋतु आकाश को मुलायम बना देती है?

क) वर्षा ऋतु
ख) वसंत ऋतु
ग) ग्रीष्म ऋतु
घ) शरद ऋतु

v. दुनिया की सबसे हल्की और रंगीन चीज किसे कहा गया है?

क) पतंग को
ख) कलियों को
ग) सपनों को
घ) बुलबुलों को

7. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिये:** **[6]**

i. कवि ने खेत की तुलना काग़ज़ से क्यों की है? **छोटा मेरा खेत** कविता के आधार पर लिखिए। **[3]**

ii. तुलसीदास के सवैया के आधार पर प्रतिपादित कीजिए कि उन्हें भी जातीय भेदभाव का दबाव झेलना पड़ा था। **[3]**

iii. 'यह घर, वह घर **[3]**
सब घर एक कर देने के माने
बच्चा ही जाने।'
कविता के बहाने से उद्धृत इन पंक्तियों के संदर्भ में लिखिए कि कवि ने बच्चों की किस विशेषता और अपनी किस असमर्थता का उल्लेख किया है? कविता और बच्चों में क्या समानता है?

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिये:** **[4]**

i. आप कैसे कह सकते हैं कि कवि ने **पतंग** कविता में बाल सुलभ साहस एवं आकांक्षाओं का सुंदर चित्रण किया है? अपने शब्दों में लिखिए। **[2]**

ii. **सामाजिक उद्देश्य से युक्त** ऐसे कार्यक्रम को देखकर आपको कैसा लगेगा? अपने विचार संक्षेप में लिखें। **[2]**

iii. व्याख्या कीजिए- **[2]**

तिरती है समीर-सागर पर
अस्थिर सुख पर दुख की छाया-
जग के दग्ध हृदय पर
निर्दय विप्लव की प्लावित माया-

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

शिरीष तरु सचमुच पक्के अवधूत की भाँति मेरे मन में ऐसी तरंगे जगा देता है जो ऊपर की ओर उठती रहती हैं। इस चिलकती धूप में इतना सरस वह कैसे बना रहता है? क्यों ये बाह्य परिवर्तन-धूप, वर्षा, आँधी, लू-अपने आप में सत्य नहीं हैं? हमारे देश के ऊपर से जो यह मार-काट, अग्निदाह, लूट-पाट, खून-खच्चर का बवंडर बह गया है, उसके भीतर भी स्थिर रहा जा सकता है? शिरीष रह सका है। अपने देश का एक बूढ़ा रह सका था। क्यों मेरा मन पूछता है कि ऐसा क्यों संभव हुआ? क्योंकि शिरीष भी अवधूत है। शिरीष वायुमंडल से रस खींचकर इतना कोमल और इतना कठोर है। गाँधी भी वायुमंडल से रस खींचकर इतना कोमल और इतना कठोर हो सका था। मैं जब-जब शिरीष की ओर देखता हूँ तब तब हूक उठती है-हाय, वह अवधूत आज कहाँ है? (हजारी प्रसाद द्विवेदी)

i. लेखक के मन में तरंग कौन जगा देता है?

क) कालिदास
ख) शिरीष वृक्ष
ग) मनुष्य
घ) देवता

ii. लेखक ने शिरीष की किस विशेषता का वर्णन किया है?

क) स्वयं पर अभिमान करने की
ख) सभी विकल्प सही हैं
ग) ठंड में मुरझा जाने की
घ) चिलचिलाती धूप में भी सरस बने रहने की

iii. शिरीष का वृक्ष कहाँ से रस खींचता है?

क) सौर मंडल से
ख) सभी विकल्प सही हैं
ग) जीव मंडल से
घ) वायुमंडल से

iv. निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A): गांधी शिरीष के ही समान अवधूत थे।
कारण (R): वह कोमल भी थे और कठोर भी।

क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
ख) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।
ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।
घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

v. गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

i. शिरीष बहुत ही कठोर होता है।
ii. शिरीष पक्के अवधूत नहीं होते हैं।
iii. मेघदूत कोई अनासक्त योगी ही लिख सकता है।

उपरिलिखित कथनों में से कौन सही है/हैं?

क) इनमें से कोई नहीं
ख) i और ii
ग) ii और iii
घ) केवल iii

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[6]**

i. **ढोलक की थाप मृत-गाँव में संजीवनी शक्ति भरती रहती थी-** कला से जीवन के संबंध को ध्यान में रखते हुए चर्चा कीजिए। **[3]**

ii. क्या कारण था कि भक्तिन के पास लगान देने के लिए भी धन नहीं था? **[3]**

iii. सही में अंबेडकर ने भावनात्मक समत्व की मानवीय दृष्टि के तहत जातिवाद का उन्मूलन चाहा है, जिसकी प्रतिष्ठा के लिए भौतिक स्थितियों और जीवन-सुविधाओं का तर्क दिया है। क्या इससे आप सहमत हैं? **[3]**

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[4]**

i. अपने सामान की बिक्री को बढ़ाने के लिए आज किन-किन तरीकों का प्रयोग किया जा रहा है? उदाहरण सहित उनका संक्षिप्त परिचय दीजिए। आप स्वयं किस तकनीक या तौर-तरीके का प्रयोग करना चाहेंगे जिससे बिक्री भी अच्छी हो और उपभोक्ता गुमराह भी न हो। **[2]**

ii. बचपन की घटनाओं के पचास वर्ष बाद लेखक **धर्मवीर भारती** क्या विचार कर रहा है? **[2]**

iii. डॉ. भीमराव आंबेडकर के मतानुसार **दासता** की व्यापक परिभाषा क्या है? समझाइए। **[2]**

12. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:** **[10]**

i. यशोधर बाबू अपने रोल मॉडल किशनदा से क्यों प्रभावित हैं? **सिल्वर वैडिंग** कहानी के आधार पर लिखिए। **[5]**

ii. लेखक आनंद यादव का पाठशाला में विश्वास कैसे बढ़ा? **जूझ** कहानी के आधार पर बताइए। **[5]**

iii. **मुअनजो-दड़ो** और **हड़प्पा** को भारत के ही नहीं दुनिया के सबसे पुराने उत्कृष्ट शहर के रूप में क्यों जाना जाता है? **अतीत में दबे पाँव** पाठ के आधार पर कारण सहित लिखिए। **[5]**

उत्तर

खंड क (अपठित बोध)

1. i. ख) जो मनुष्य की पहुँच में हो
   ii. ग) कर्मयोगी
   iii. क) केवल कथन (I), (II) और (IV) सही हैं।
   iv. नीत्शे ने "ईश्वर मर गया है" इसलिए कहा क्योंकि उन्हें ऐसा देवता नहीं मिला जो मनुष्य की पहुँच में हो और जीवन से भरपूर हो।
   v. कृष्ण सलाह देते हैं कि काम करो, बाकी सब भूल जाओ और काम के फल की भी इच्छा मत करो।
   vi. कृष्ण के जीवन में अनासक्ति का महत्व यह है कि वे प्रत्येक काम पूरे मन से करते हैं लेकिन उससे चिपकते नहीं हैं, जैसे कमल के पत्ते पर पड़ा पानी।
   vii. कृष्ण के कर्मयोगी होने का उदाहरण यह है कि वे ग्वाले का काम, रसिक बिहारी का काम, सारथि का काम और उपदेष्टा का काम मनोयोग से करते हैं और अगले ही क्षण उससे अलग हो जाते हैं।
2. i. क) कथन I और II सही हैं।
   ii. क) युद्ध के दौरान रक्तपात
   iii. ख) - I (3), II - (2), III - (1)
   iv. 'उर्वर मिट्टी के नव जन्मे अंकुर' से संकेत मिलता है कि खेतिहर जीवन के नए और जीवंत पहलुओं की रक्षा करने की बात कर रहे हैं, जो युद्ध और हिंसा के कारण नष्ट हो सकते हैं।
   v. कविता के अनुसार, खेतिहर अपने खेतों का संदेश शांति और युद्ध-विरोधी तैयारी के माध्यम से साझा करेगा। वह युद्ध और हिंसा के खिलाफ अपनी आवाज उठाएगा और शांति की आवश्यकता को उजागर करेगा।
   vi. 'हत्यारों का दल हारेगा' का तात्पर्य है कि खेतिहर की शांति और विरोध की शक्ति इतनी प्रभावशाली होगी कि वह उन लोगों को पराजित कर देगा जो युद्ध और हिंसा का समर्थन करते हैं।

खंड- ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर)

3. दिए गए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर आधारित लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेखन लिखिए।

(i) **मेरे बगीचे में सब्जी की फसल**

मेरे बगीचे में सब्जी की फसल उगाना मेरे लिए एक आनंददायक और प्रशंसनीय अनुभव है। सब्जियों की खेती न केवल मेरे भोजन में स्वाद और पौष्टिकता लाती है, बल्कि यह मुझे प्रकृति से जुड़ने और अपने प्रयासों के फल को देखने का अवसर देती है। यह सुंदर विभिन्नता से भरी हुई फसल मेरे बगीचे को रंगीन और सुंदर बनाती है। सब्जियों को उगाने के लिए मैं मिट्टी को तैयार करता हूँ, बीज बोता हूँ और उन्हें पानी और पोषक तत्वों से संतुलित रखने के लिए देखभाल करता हूँ। सब्जियों की खेती मुझे प्राकृतिक प्रक्रियाओं के साथ-साथ धैर्य, मेहनत, और संयम की महत्वपूर्णता के बारे में शिक्षा देती है। यह मुझे बगीचे में समय बिताने का एक शांत और स्थिर अवसर भी प्रदान करती है। सब्जियाँ उगाने के बाद, मैं उन्हें स्वादिष्ट भोजनों में उपयोग करता हूँ और अपने परिवार के साथ साझा करता हूँ, जिससे एक आनंदमय और संबंधित भोजन का आनंद लेता हूँ।

इस प्रकार, मेरे बगीचे में सब्जी की फसल उगाना मेरे लिए एक प्राकृतिक, संवेदनशील और सत्यनिष्ठ प्रयास है जो मुझे संपूर्णता और समृद्धि के एहसास के साथ भर देता है।

(ii) **भारतीय खेल**

भारत में खेलों का एक समृद्ध और विविध इतिहास है। यहाँ विभिन्न प्रकार के खेल खेले जाते हैं, जो न केवल मनोरंजन का साधन हैं, बल्कि शारीरिक और मानसिक विकास के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।

क्रिकेट भारत का सबसे लोकप्रिय खेल है। यह खेल न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की पहचान बना चुका है। भारतीय क्रिकेट टीम ने कई महत्वपूर्ण टूर्नामेंट जीते हैं, जिनमें 1983 और 2011 का क्रिकेट विश्व कप शामिल है।

हॉकी को भारत का राष्ट्रीय खेल माना जाता है। भारतीय हॉकी टीम ने ओलंपिक खेलों में कई स्वर्ण पदक जीते हैं और इस खेल में भारत का प्रदर्शन अद्वितीय रहा है।

कबड्डी भी भारत का एक पारंपरिक खेल है, जो अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी लोकप्रिय हो रहा है। प्रो कबड्डी लीग ने इस खेल को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया है।

बैडमिंटन में भी भारत ने महत्वपूर्ण प्रगति की है। पी.वी. सिंधु और साइना नेहवाल जैसे खिलाड़ियों ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन किया है।

इसके अलावा, फुटबॉल, टेनिस, शतरंज, और एथलेटिक्स में भी भारतीय खिलाड़ियों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। विश्वनाथन आनंद ने शतरंज में विश्व चैंपियन बनकर भारत का गौरव बढ़ाया है।

भारत में खेलों का महत्व केवल प्रतियोगिता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्वास्थ्य, अनुशासन और टीम भावना को भी बढ़ावा देता है। सरकार और विभिन्न खेल संगठनों द्वारा खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए कई योजनाएँ और कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, जिससे युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल सके।

(iii) **हमारी सीमाओं के प्रहरी**

हमारी सीमाओं के प्रहरी, यानी हमारे सैनिक, देश की सुरक्षा और अखंडता के रक्षक हैं। वे दिन-रात कठिन परिस्थितियों में रहकर हमारी सीमाओं की रक्षा करते हैं। इस निबंध में हम सैनिकों के जीवन, उनके योगदान और उनके महत्व पर चर्चा करेंगे।

सैनिकों का जीवन अत्यंत कठिन और अनुशासित होता है। वे अपने परिवार से दूर, कठिन मौसम और दुर्गम स्थानों पर तैनात रहते हैं। उनका दिन सुबह जल्दी शुरू होता है और रात देर तक चलता है। वे हर समय सतर्क रहते हैं और किसी भी आपात स्थिति का सामना करने के लिए तैयार रहते हैं।

सैनिकों का योगदान केवल युद्ध के समय ही नहीं, बल्कि शांति के समय भी महत्वपूर्ण होता है। वे प्राकृतिक आपदाओं के समय राहत और बचाव कार्यों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके अलावा, वे आतंकवाद और घुसपैठ जैसी समस्याओं से निपटने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सैनिकों का महत्व केवल उनकी वीरता और साहस में ही नहीं, बल्कि उनके अनुशासन और समर्पण में भी है। वे अपने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने से भी पीछे नहीं हटते। उनकी यह भावना हमें प्रेरित करती है और हमें अपने देश के प्रति गर्व का अनुभव कराती है।

हमारी सीमाओं के प्रहरी हमारे देश के असली नायक हैं। उनका जीवन, उनका योगदान और उनका महत्व हमें यह सिखाता है कि देश की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। हमें उनके त्याग और समर्पण का सम्मान करना चाहिए और उनके परिवारों के प्रति भी आभार व्यक्त करना चाहिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (2 X 4 = 8)

(i) संस्थान/कार्यालयों द्वारा लिए गए महत्त्वपूर्ण निर्णयों को कार्यान्वित करने के लिए 'परिपत्र' जारी किया जाता है, जिसमें निर्णय को कार्यान्वित करने के निर्देश होते हैं।

(ii) वस्तुतः फीचर किसी वस्तु, घटना, स्थान या व्यक्ति विशेष की विशेषताओं को उद्घाटित करने वाला विशिष्ट आलेख है, जिसमे सर्जनात्मकता, काल्पनिकता, तथ्य, घटनाएँ, विचार, भावनाएँ आदि एक साथ उपस्थित रहती हैं। इसके सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण लक्षण हैं -

i. सरसता एवं सहजता
ii. प्रासंगिकता एवं विश्वसनियता

(iii) नाटक में शब्द का विशेष महत्त्व होता है क्योंकि यह अभिनय की मूल शक्ति होती है। शब्द नाटककार की विचारशक्ति, अभिनय कौशल, और कर्कश या सुव्यवस्थित भाषा के माध्यम से चरित्रों की व्यक्तित्व एवं विचारों को दर्शाता है। शब्द नाटक को विविधता, भावनाओं का प्रदर्शन, और संवादों की प्रासंगिकता प्रदान करता है, जिससे कथानक गहराई प्राप्त करती है।

(iv) 'उषा' कविता में कवि शमशेर बहादुर सिंह ने ग्रामीण उपमानों का प्रयोग कर गाँव की सुबह को गतिशील शब्द चित्र के माध्यम से सामने लाने का प्रयास किया है। कविता में नीले रंग के प्रातःकालीन आकाश को ‘राख से लीपा हुआ चौका' कहा है। ग्रामीण परिवेश में ही गृहिणी भोजन बनाने के बाद चौके (चूल्हे) को राख से लीपती है, जो प्रायः काफ़ी समय तक गीला ही रहता है।

दूसरा बिंब काली सिल का है। काली सिल अर्थात् पत्थर के काले टुकड़े पर केसर पीसने का काम भी गाँव की महिलाएँ ही करती हैं। तीसरा बिंब, काले स्लेट पर लाल खड़िया चाक मलने की क्रिया नन्हे ग्रामीण बालकों द्वारा होती है। इस बिंबात्मक चेतना में गतिशील शब्द चित्र भी मौजूद है। यहाँ सवेरे अपने-अपने कार्यों में लगे ग्रामीण वर्ग तथा जनजीवन की गतिशीलता को स्पष्ट करने वाले प्रतिमान हैं। यहाँ स्थिरता का नामोनिशान नहीं है। गतिशीलता इस अर्थ में भी है कि तीनों शब्द चित्र स्थिर न होकर किसी-न-किसी क्रिया के अभी-अभी समाप्त होने के सूचक हैं। अतः कह सकते हैं कि शमशेर की कविता गाँव की सुबह का जीवंत चित्रण है।

(v) बाज़ार लोगों को कहता है कि आकर मुझे लूटो। बाज़ार चाहता है कि व्यक्ति सब कुछ भूलकर उसे देखे। उसकी चमक-दमक केवल ग्राहकों के लिए है। ग्राहक बाजार की ओर जाने लगता है और अनावश्यक वस्तुएँ भी खरीद लेता है। बाज़ार को ग्राहक से नहीं बल्कि उसकी खरीदारी से ही मतलब है।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (4 X 2 = 8)

(i) पत्रकारीय विशेषज्ञता का अर्थ यह है कि व्यावसायिक रूप से प्रशिक्षित न होने के बावजूद उस विषय में जानकारी और अनुभव के आधार पर अपनी समझ को इस हद तक विकसित करना कि उस विषय में घटने वाली घटनाओं या मुद्दों की सहजता से व्याख्या करके पाठकों के लिए मायने स्पष्ट कर सके।

(ii) स्तंभ लेखन एक विचारपरक लेखन है जिसमें कुछ महत्त्वपूर्ण लेखक अपने विशेष विचारपरक लेखन के लिए जाने जाते हैं। उनकी एक लेखन शैली विकसित हो जाती है। उनकी लोकप्रियता देखकर उन्हें नियमित स्तंभ लेखन का दायित्व दिया जाता है। स्तंभ का विषय चुनने और उसमें अपने विचार प्रकट करने की उन्हें पूरी छूट होती है। उनके विचारों की उसमें अभिव्यक्ति होती है। कुछ स्तंभ इतने लोकप्रिय हैं कि उन्हें लेखक के नाम पर जाना जाता है। इनके लिए समाचार पत्र में एक विशेष पृष्ठ निश्चित कर दिया जाता है।

(iii) लेखक फूल तथा पेड़ का संकेत करता हुआ कहता है कि इन्हें हमें समाप्त नहीं मान लेना चाहिए। मात्र इनसे सब कुछ नहीं है। जिस प्रकार से पेड़ एक फूल को जन्म देता है, फूल एक बीज को जन्म देता है, वैसे ही जीवन में सब क्रमपूर्वक चलता रहता है। इसका कारण है कि फिर एक बीज से एक पेड़ का जन्म होता है और पेड़ से एक फूल का जन्म होता है। यह क्रम सदियों से चलता रहा है। यह तो मात्र संकेत है, जीवन रुकता नहीं सदैव चलायमान एवं गतिशील रहता है। जिसे समझकर हमें आगे बढ़ना चाहिए।

खंड- ग (आरोह भाग - 2 एवं वितान भाग-2 पाठ्यपुस्तकों के आधार पर)

6. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

सबसे तेज बौछारें गई भादो गया
सवेरा हुआ
खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा
शरद आया पुलों को पार करते हुए
अपनी नई चमकीली साइकिल तेज चलाते हुए
घंटी बजाते हुए जोर-जोर से

चमकीले इशारों से बुलाते हुए
पतंग उड़ाने वाले बच्चों के झुण्ड को
चमकीले इशारों से बुलाते हुए और
आकाश को इतना मुलायम बनाते हुए
कि पतंग ऊपर उठ सके-
दुनिया की सबसे हल्की और रंगीन चीज उड़ सके
दुनिया का सबसे पतला कागज उड़ सके-
बाँस की सबसे पतली कमानी उड़ सके-
कि शुरू हो सके सीटियों, किलकारियों और
तितलियों की इतनी नाजुक दुनिया

(i) **(घ)** भादों का महीना
व्याख्या:
भादों का महीना

(ii) **(घ)** बच्चों के लिए
व्याख्या:
बच्चों के लिए

(iii) **(क)** सवेरे को
व्याख्या:
सवेरे को

(iv) **(घ)** शरद ऋतु
व्याख्या:
शरद ऋतु

(v) **(क)** पतंग को
व्याख्या:
पतंग को

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) खेत की तुलना कागज़ से करते हुए वस्तुतः कवि ने रचना-कर्म की तुलना कृषि कर्म से की है। कवि कागज के पन्ने को चौकोने खेत की संज्ञा देता है। कवि का मानना है कि जिस प्रकार खेत में बीज, जल, रसायन आदि डालने के बाद उपज या पैदावार प्राप्त की जाती है, ठीक उसी प्रकार कोई भी रचना भाव, कल्पना इत्यादि के कारण अस्तित्व में आती है।
शब्द रूपी बीज को खेत रूपी कागज के पन्ने पर डालने के बाद अंधड़ रूपी भावनाएँ तथा कल्पना रूपी रसायन की आवश्यकता पड़ती है। इन सबके सम्मिश्रण व सामंजस्य के बाद ही रचना अपना स्वरूप ग्रहण कर पाती है। किसी रचना के निर्मित होने में भी कवि को उन्ही प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है, जिन प्रक्रियाओं से खेत में फसल उत्पन्न करने में किसी किसान को गुजरना पड़ता है।

(ii) तुलसीदास जी ने अपने सवैये में कहा है कि
"धूत कहौ, अवधूत कहौ,
रजपूतु कहौ, जोलहा कहौ कोऊ।
काहू की बेटी सों बेटा न ब्याहब,
काहू की जाति बिगार न सोऊ।।"
वस्तुतः तुलसीदास जी सामाजिक यथार्थ एवं जातिगत ताने-बाने से अच्छी तरह परिचित थे। उन्होंने इस जाति व्यवस्था को लगभग पूरी तरह से नकार दिया। उन्हें कोई राजपूत कहे या जुलाहा, इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता था। जातिप्रथा का सबसे मजबूत रूप विवाह जैसी प्रथा में दिखता है, जहाँ अपनी जाति से बाहर निकलना एक तरह से सामाजिक 'निषेध' ही माना जाता है। तुलसीदास स्वयं जातीय भेदभाव को नकारने के बावजूद उसका दबाव महसूस करते हैं। यही कारण है कि वे कहते हैं कि किसी की बेटी के साथ अपने बेटे का विवाह करके किसी की जाति को बिगाड़ना नहीं चाहते हैं। जो जिस रूप में है, वह उसी रूप में खुश रहे, संतुष्ट रहे, लेकिन वे स्वयं को शोषक जाति व्यवस्था से बाहर मानते हैं।

(iii) कवि ने बताया है कि बच्चे अपने-पराए में अंतर नहीं रखते। उनके लिए सभी एक समान हैं। जहाँ उन्हें प्रेम मिलता, वे वहीं के हो जाते हैं। कवि के लिए कविता शब्दों की क्रीड़ा है, जिसके माध्यम से कवि कहीं भी, कभी भी अपने भाव व्यक्त कर सकता है। कवि बच्चों की तरह ही बेपरवाह है। वह समाज में आपसी भेदभाव भुलाकर समानता की भावना प्रसारित करना चाहता है।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) कवि ने 'पतंग' कविता में बच्चों की तुलना पतंग से करते हुए उनकी बाल सुलभ इच्छाओं एवं उमंगों का अत्यंत सुंदर चित्रण किया है। बाल सुलभ क्रियाकलापों एवं प्राकृतिक परिवर्तनों की अभिव्यक्ति हेतु कविता में सुंदर बिंबों का उपयोग किया गया है। बच्चों की उमंगों का रंग-बिरंगा सपना है- पतंग। आकाश में उड़ती रंग-बिरंगी तितलियों जैसी पतंगें उन्हें आकर्षित करती हैं, बालमन इन्हें अपने हाथों से छूना चाहता है और उसके पार जाना चाहता है। इस प्रक्रिया में गिरने वाले तथा गिरकर सँभलने वाले बच्चे भी शामिल हैं। वस्तुतः पतंग उनकी स्वतंत्रता, स्वच्छंदता एवं नई उमंगों व उत्साह का प्रतीक है।

(ii) ऐसे कार्यक्रम को देखकर मेरा मन खिन्न हो जाएगा। मुझे हैरानी होगी ऐसे कार्यक्रम बनाने वालों पर। मैं प्रयास करूँगा कि इस कार्यक्रम की प्रस्तुति बंद करवा सकूँ। इस प्रकार के कार्यक्रम दर्शकों को आनंद दे या न दे लेकिन एक अपंग व्यक्ति को मानसिक रूप में अवश्य अपंग बना सकते हैं। अतः मैं इसका विरोध करूँगा। अपाहिज व्यक्ति को शारीरिक चुनौतियों का सामना करने की हिम्मत की जरूरत होती है न कि सहानुभूति की।

(iii) व्याख्या- कवि बादलों को संबोधित करते हुए कहता है कि इस समीर रूपी सागर में तू तैरता है। अर्थात लोगों की इच्छा से युक्त उनकी नाव हवा रूपी सागर में तैरती है। संसार में व्याप्त सुख सदैव साथ नहीं रहते हैं। इसी कारण इन्हें अस्थिर कहा गया है अर्थात जो स्थिर न रहें। इन पर दुख की छाया हमेशा मंडराती रहती है। संसार के लोगों का हृदय दुखों के कारण दग्ध है। ऐसे हृदय पर क्रांति रूपी माया विद्यमान है। हे बादल! तुम आओ और इस दुखी हृदय वाले संसार को अपनी क्रांति रूपी गर्जना से आनंद प्रदान करो। अर्थात जैसे वर्षाकाल में बादलों की गर्जना सुनकर गर्मी से बेहाल लोगों को खुशी प्रदान होती है, वैसे ही शोषण तथा अत्याचार से परेशान लोगों को क्रांति से खुशी प्राप्त होती है।इसी आशय से कवि क्रांति का आह्वान करता है।

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

शिरीष तरु सचमुच पक्के अवधूत की भाँति मेरे मन में ऐसी तरंगे जगा देता है जो ऊपर की ओर उठती रहती हैं। इस चिलकती धूप में इतना सरस वह कैसे बना रहता है? क्यों ये बाह्य परिवर्तन-धूप, वर्षा, आँधी, लू-अपने आप में सत्य नहीं हैं? हमारे देश के ऊपर से जो यह मार-काट, अग्निदाह, लूट-पाट, खून-खच्चर का बवंडर बह गया है, उसके भीतर भी स्थिर रहा जा सकता है? शिरीष रह सका है। अपने देश का एक बूढ़ा रह सका था। क्यों मेरा मन पूछता है कि ऐसा क्यों संभव हुआ? क्योंकि शिरीष भी अवधूत है। शिरीष वायुमंडल से रस खींचकर इतना कोमल और इतना कठोर है। गाँधी भी वायुमंडल से रस खींचकर इतना कोमल और इतना कठोर हो सका था। मैं जब-जब शिरीष की ओर देखता हूँ तब तब हूक उठती है-हाय, वह अवधूत आज कहाँ है? (हजारी प्रसाद द्विवेदी)

(i) **(ख)** शिरीष वृक्ष
व्याख्या:
शिरीष वृक्ष

(ii) **(घ)** चिलचिलाती धूप में भी सरस बने रहने की
व्याख्या:
चिलचिलाती धूप में भी सरस बने रहने की

(iii) **(घ)** वायुमंडल से
व्याख्या:
वायुमंडल से

(iv) **(ग)** कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।
व्याख्या:
कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(v) **(क)** इनमें से कोई नहीं
व्याख्या:
इनमें से कोई नहीं

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) कला व्यक्ति के मन में व्याप्त स्वार्थ, परिवार, धर्म, भाषा और जाति आदि की सीमाएँ को मिटाकर उसे उदात्त और उदार बनाती है।
कला ही है जिसमें मानव मन में संवेदनाएँ उभारने, प्रवृत्तियों को ढालने तथा चिंतन को मोड़ने, अभिरुचि को दिशा देने की अद्भुत क्षमता है। आत्मसंतोष एवं आनंद की अनुभूति इसके ज्ञानार्जन से ही होती है और इसके मंगलकारी प्रभाव से व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास होता है। जब यह कला संगीतके रूप में उभरती है तो कलाकार गायन और वादन से स्वयं को ही नहीं श्रोताओं को भी अभिभूत कर देता है। मनुष्य आत्मविस्मृत हो उठता है। दीपक राग से दीपक का जलना और मल्हार राग से मेघ बरसना यह कला का चरमोत्कर्ष है।
भाट और चारण भी जब युद्धस्थल में उमंग, जोश से सरोबार कविता-गान करते थे तो वीर योद्धाओं का उत्साह दोगुना हो जाता था तो युद्धक्षेत्र कहीं हाथी की चिंघाड़, तो कहीं घोड़ों की हिनहिनाहट तो कहीं शत्रु की चीत्कार से भर उठता था। यह गायन कला की परिणति ही तो है। इसी प्रकार मानव का कला के हर रूप काव्य, संगीत, नृत्य, चित्रकला, मूर्तिकला, स्थापत्य कला और रंगमंच से अटूट संबंध है।

(ii) जब भक्तिन की बड़ी बेटी विधवा हो गई तो जेठ के लड़के ने अपने तीतरबाज साले भक्तिन की बेटी से विवाह करने को बुलाया ताकि भक्तिन की सारी संपत्ति उनके कब्जे में आ जाए। जब भक्तिन की बेटी ने उससे विवाह के लिए मना कर दिया तो उस लड़के ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर भक्तिन की बेटी को बदनाम कर दिया। उनके बहकावे में आकर पंचायत ने दोनों को विवाह करने का आदेश दिया। पंचायत के आगे माँ-बेटी की एक न चल सकी और विवाह हो गया। दामाद अब निश्चित होकर तीतरबाजी करता था और इतने यत्न से सँभाले हुए गाय-ढोर, खेती-बाड़ी आदि पारिवारिक द्वेष में ऐसे झुलस गए कि वह जमींदार को लगान के पैसे भी न दे पाई। भक्तिन अब अत्यधिक दुःखी रहने लगी।

(iii) हम लेखक की बात से सहमत हैं कि उन्होंने भावनात्मक समत्व की मानवीय दृष्टि के तहत जातिवाद का उन्मूलन चाहा है। किसी भी समाज में भावनात्मक समत्व तभी आ सकता है जब सभी को समान भौतिक सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। समाज में जाति-प्रथा के उन्मूलन के लिए समता आवश्यक तत्व है। यह समता का मूल्यांकन तभी संभव हो सकता है जब सबको समान अवसर मिले। गाँव की पाठशाला और कान्वेंट में पढ़ने वाले बच्चों का सही मूल्यांकन हम कैसे कर सकते हैं। अत: पहले समान अवसर मिले, सभी को समान भौतिक सुविधाएँ मिलें और उसके पश्चात् जो भी श्रेष्ठ हो वही उत्तम व्यवहार के हकदार हो। इसके लिए स्वस्थ मानसिकता और खुले विचारों का होना परम आवश्यक है।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) आज अपने सामान की बिक्री के लिए मज़ेदार विज्ञापनों, फ्री सेंप्लिंग होर्डिंग बोर्ड, प्रतियोगिता, मुफ्त उपहार, मूल्य गिराकर, एक साथ एक मुफ्त देकर या उससे कुछ कम मूल्य का उपहार देकर आदि तरीकों का प्रयोग किया जा रहा है। इससे सामान की बिक्री में तेज़ी आती है। ये तरीके बहुत ही कारगर हैं। हम अपने उत्पाद की बिक्री के लिए पहले फ्री सेंप्लिंग देगें। इससे हम उपभोक्ता को अपने उत्पाद की गुणवत्ता दिखाकर उनका भरोसा जीतेंगे।

(ii) बचपन की घटनाओं के पचास वर्ष बाद लेखक ये विचार करता है कि हम देश के लिए क्या करते हैं? हमारी माँगें बहुत बड़ी-बड़ी होती हैं। भ्रष्टाचार के बारे में हम केवल बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, किंतु उसे खत्म करने के प्रयास के लिए हम कुछ भी नहीं करते। आज स्वार्थी मनुष्यों ने अपने निजी सुख के लिए देश की सुरक्षा या अन्य हितों को भी पीछे छोड़ दिया है। वह केवल अपने बारे में ही सोचता है, देश के बारे में नहीं। आखिर कब बदलेगी यह स्थिति? लेखक यही सोचता रहता है।

(iii) लेखक के आधार पर दासता की व्यापक परिभाषा एक व्यक्ति का पेशा चुनने का अधिकार न देना है। इस तरह आमुक व्यक्ति को हम दासता में बाँधकर रख देते हैं। जब किसी व्यक्ति द्वारा अन्य व्यक्ति के पेशे, कार्य तथा कर्तव्य निर्धारित किए जाते हैं, तो ऐसी स्थिति को भी दासता कहा जाता है। स्वतंत्रता हर मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है। अतः किसी अन्य व्यक्ति को यह अधिकार नहीं है कि वह किसी दूसरे व्यक्ति के पेशे, कार्य तथा कर्तव्य को निर्धारित करे।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

(i) यशोधर बाबू पर किशनदा का पूर्ण प्रभाव था क्योंकि उन्होंने यशोधर बाबू को कठिन समय में सहारा दिया। यशोधर भी उनकी हर बात का अनुकरण करना चाहते थे। चाहे ऑफ़िस का कार्य हो, सहयोगियों के साथ संबंध हो, सुबह की सैर हो, शाम को मंदिर जाना, पहनने-ओढ़ने का तरीका, किराए के मकान में रहना, रिटायरमेंट के बाद गाँव जाने की बात आदि – इन सब पर किशनदा का प्रभाव है। बेटे द्वारा ऊनी गाउन उपहार में देने पर उन्हें लगता है कि उनके अंगों में किशनदा उतर आए हैं क्योंकि उन्होंने यह महसूस किया कि इस आधुनिकता के दौड़ में गृहस्थ होकर भी वह उतने ही अकेले हैं जितने कि किशनदा।

(ii) जब लेखक को वसंत पाटील के साथ दूसरे लड़कों के सवाल जाँचने का काम मिला, तब उसकी वसंत से दोस्ती हो गई। अब ये दोनों एक-दूसरे की सहायता से कक्षा के अनेक काम निपटाने लगे। सभी अध्यापक लेखक को 'आनंदा' कहकर बुलाने लगे। यह संबोधन भी उसके लिए बड़ा महत्वपूर्ण था क्योंकि इस नाम से केवल उसकी माँ बुलाती थी वह भी बहुत काम। पहली बार पाठशाला में ही उसे स्वयं का नाम सुनने को मिला। 'आनंदा' की कोई पहचान बनी। एक तो वसंत की दोस्ती, दूसरा अध्यापकों का अपनेपन का व्यवहार-इस कारण लेखक का अपनी पाठशाला में विश्वास बढ़ने लगा।

(iii) मुअनजो-दड़ो और हड़प्पा, भारत के ही नहीं बल्की दुनिया के सबसे पुराने उत्कृष्ट शहर के रूप में माने जाते हैं क्योंकि इन सभ्यताओं के उच्चतम स्तर पर गणनीय नगरीय योजना, निर्माणकारी कला, सौंदर्य और सामाजिक व्यवस्था दिखाते हैं, जो उनकी मानवीय और तकनीकी प्रगति को प्रमाणित करते हैं। ये समृद्ध सभ्यताएं व्यापार, कृषि, शिल्प, धार्मिक और सामाजिक जीवन के क्षेत्र में भी विशेषगत उपलब्धियों को प्रदर्शित करती हैं।